.....ये पढ़ते हैं तो लिखना होता है। अजमेर में सोनी द्वारका है ना। अजमेर में कभी जाते रहते हैं ना। तो वो जो सुनार है उनका बनाया हुआ है। (किसी भाई ने कहा–हुक्मीचंद) नहीं–2, हुक्मीचंद तो इंदौर का है। (किसी ने कहा– ... सोनी भागचंद का मंदिर कहते हैं) सोनी भागचंद (किसी ने कहा– मंदिर का नाम ही रखा है सोनी भागचंद का मंदिर)। (किसी ने कहा– बाबा, उज्जैनी है) कब थी? कितना वर्ष हो गया है जबकि थी? तो देखो, उन लोगों को कुछ मालूम पड़ता है? शायद कृष्ण का दिखलाते हैं। अभी श्रीकृष्ण के साथ क्या राधे देते हैं? अगर राधे देवे तो राधे और कृष्ण का राज्य हो जाता है। द्वारका में वो भी रॉंग हो जाता है। तो राधे और कृष्ण का राज्य हो नहीं सकता है।... अगर राधे–कृष्ण बहुत हैं तो ज़रूर लक्ष्मी–नारायण के भी मंदिर होंगे। अयोध्या में तो वहाँ के मंदिर (के) पुजारी से पूछना चाहिए कि ये कब राज्य करते थे, कितना वर्ष हुआ; क्योंकि बच्चों को तो अब सब अच्छी तरह से मालूम हो गया। ... में भी जाकर पूछ सकते हैं; क्योंकि जयन्ती भी मनाते हैं। पूछ भी सकते हैं कि ये शिव का यहाँ कब जन्म हुआ, जिसको शिवजयन्ती कहते हैं? कब आया था? क्या आ करके किया था? कितने प्रश्न पूछने चाहिए। ...कार्डों में या किसमें थे कि ये 5000 वर्ष पहले आए थे और भारत में सूर्यवंशी देवी–देवता धर्म की स्थापना की थी। ऐसे कोई था? किसको याद है? .... शिवजयन्ती में कोई ने ऐसे दिखलाया कि आज से 5000 वर्ष पहले शिव जयन्ती मनाई थी और क्या किया था और फिर अब मना रहे हैं। वही संगमयुग है और आदि सनातन देवी–देवता धर्म की स्थापना कर रहे हैं। ऐसे क्लीयर कोई ने लिखा? अगर कोई ने लिखा हो तो बाबा को इत्तला करे या कोई लिटरेचर या निमंत्रण कार्ड भेज देवे।.. बनारस में गंगा है ना। गंगा के घाट पर ये बहुत सन्यासी लोग रहते हैं। शिव काशी विश्वनाथ गंगा। समझा ना। अभी उनको जाकर कोई समझावे। तो वहाँ बहुत ही वानप्रस्थ वाले काशी वास करने के लिए रहते हैं। वहाँ भी बहुत सर्विस हो सकती है। पता नहीं वहाँ बनारस में ये गुप्ता जी क्या करते हैं! नहीं तो बनारस में जहाँ कि शिवबाबा के चित्र हैं और बहुत बैठे रहते हैं वहाँ। बनारस में सर्विस होनी चाहिए; क्योंकि शिवबाबा का मंदिर है और वहाँ बहुत जाते हैं। एकदम गाँव का। प्रदर्शनी भी की है क्या? कुछ तो किया है! (किसी भाई ने कहा– बनारस में नहीं की) नहीं। तो वहाँ प्रोजेक्टर–प्रदर्शनी के ऊपर, अगर ये प्रदर्शनियाँ करें, शिवबाबा का परिचय देवें, ऐसे ही कि ये 5000 वर्ष पहले आए थे, जो भक्तिमार्ग में शिवरात्रि मनाई जाती है। क्या आकर के किया था? कैसे आ करके भारत पर आदि सनातन देवी–देवता धर्म की स्थापना की थी? वहाँ अच्छा समझा सकते हैं। ...उनसे भी भाषण करावे। वो एक महावीरो है ना। (किसी भाई ने कहा– वो उधर बनारस में ही पढ़ता है) हाँ, पढ़ते हैं; परन्तु उनको कुछ अच्छी तरह से पूरी नॉलेज मिली नहीं है, जो कुछ वहाँ ही भाषण भी कर सके। नहीं तो नशा चढ़ना चाहिए। कोई को भी पता नहीं है कि शिव का मंदिर। ये पूजा होती है। आया था। ज़रूर कुछ कर्तव्य करके गया है। क्या करके गया है ये समझा सकते हैं। (म्युज़िक बजा) मीठे–2 सिकीलधे बच्चों प्रति यादप्यार और गुडनाइट।